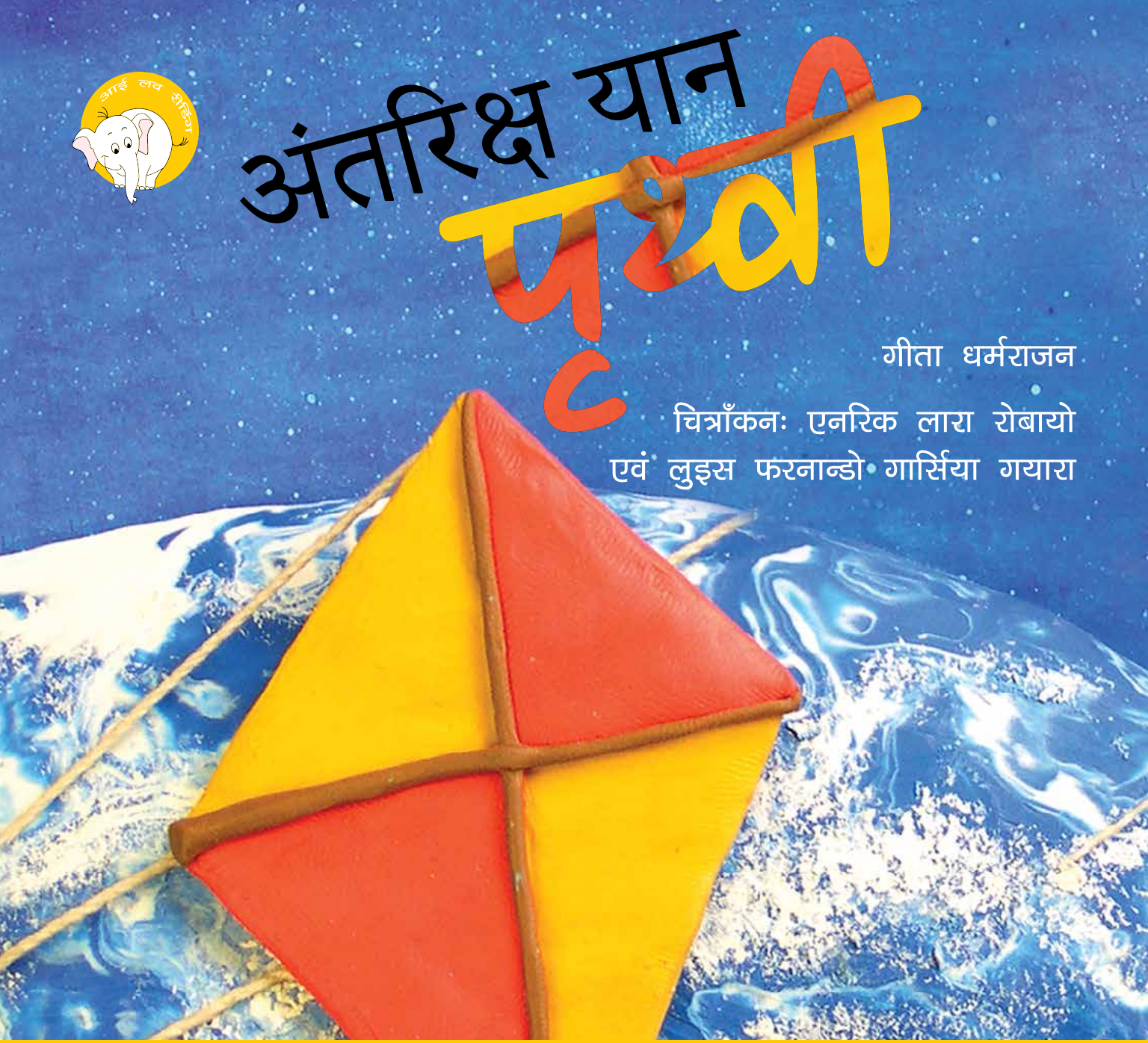

अंतरिक्ष यान पृथ्वी

गीता धर्मराजन

चित्रांँकनः एनरिक लारा रोबायो
एवं लुइस फरनान्डो गार्सिया गयारा

कथा की 300एम थिंकबुक

बहुत वर्षों पहले, किसी ने पृथ्वी की तुलना एक अंतरिक्ष यान से की थी। जैसे किसी भी अंतरिक्ष यान में रखा राशन, पानी और हवा सीमित होते हैं, वैसे ही पृथ्वी पर भी संसाधन सीमित हैं। यह ख़त्म हो सकते हैं।

अगली पीढ़ी के लिए

वैज्ञानिक बताते हैं कि अगर हम हवा, पानी, और अन्य संसाधनों को लापरवाही से इस्तेमाल करेंगे तो हमारी अगली पीढ़ी के लिए नहीं बचेगा। न जानवर, चिड़िया होंगे न जंगल, हवा और पानी। जीवन ही नहीं होगा।

अपना और अपने बच्चों का जीवन खुशहाल बनाना मुश्किल नहीं है। अपने संसाधनों के सही इस्तेमाल से सिर्फ़ हम और तुम ही नहीं, बल्कि हमारे बच्चे और उनके बच्चे भी एक खुशहाल जीवन बिता सकेंगे।

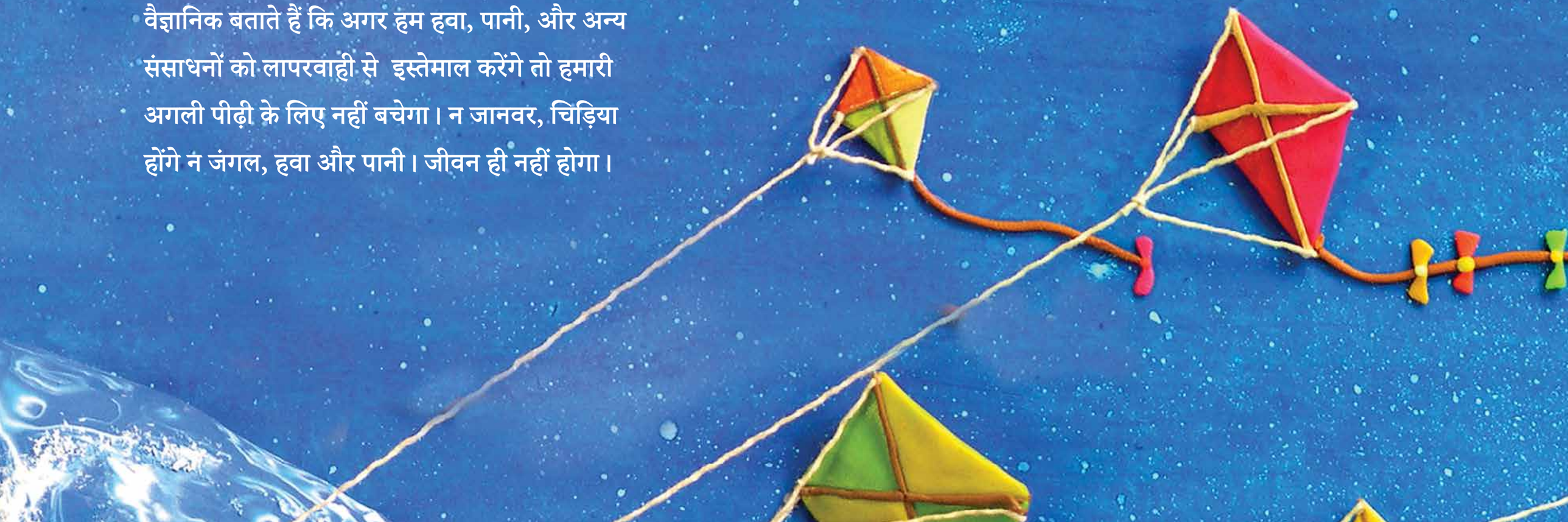

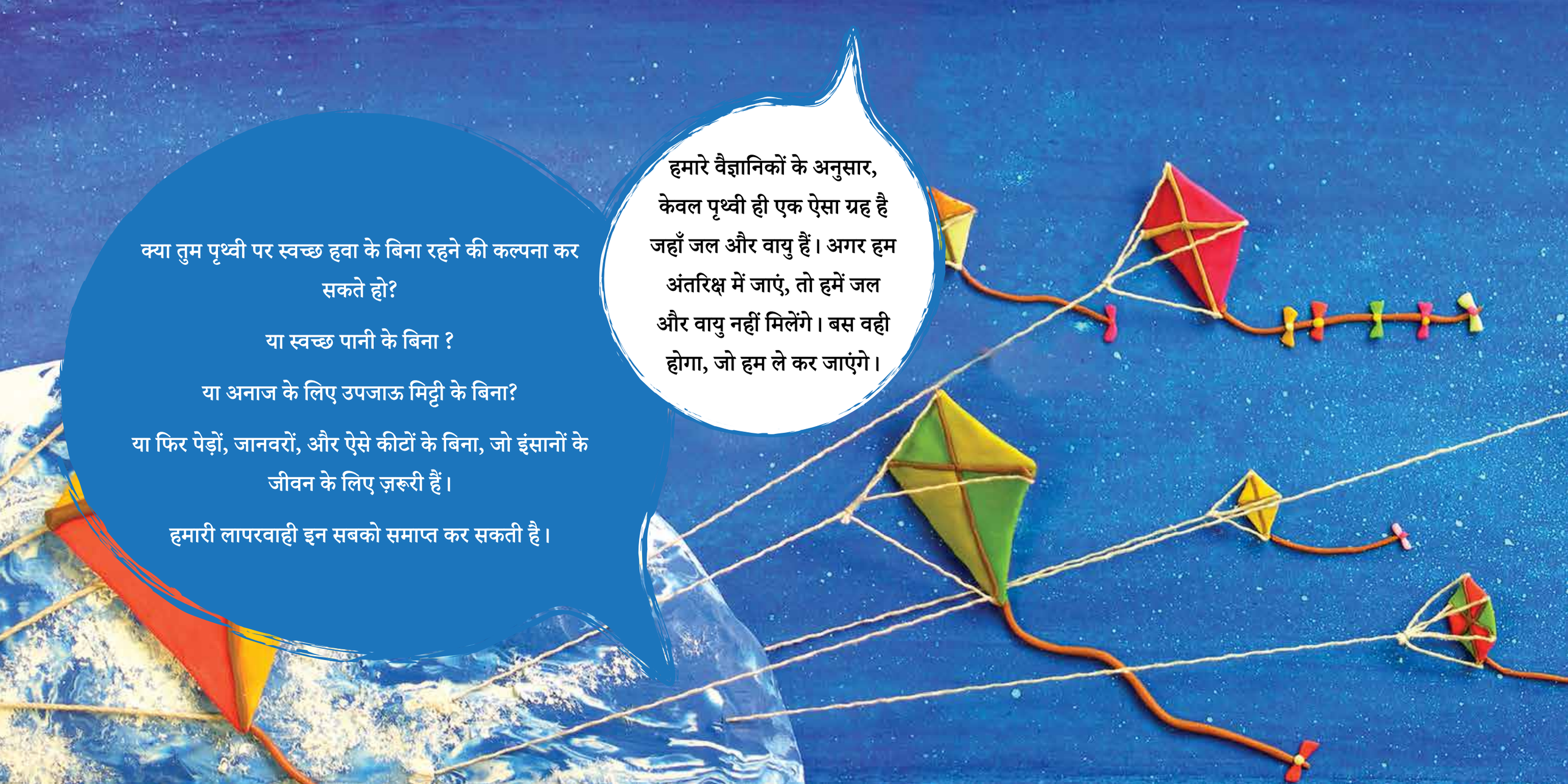
क्या तुम पृथ्वी पर स्वच्छ हवा के बिना रहने की कल्पना कर सकते हो?
या स्वच्छ पानी के बिना ?
या अनाज के लिए उपजाऊ मिट्टी के बिना?
या फिर पेड़ों, जानवरों, और ऐसे कीटों के बिना, जो इंसानों के जीवन के लिए ज़रूरी हैं।
हमारी लापरवाही इन सबको समाप्त कर सकती है।
हमारे वैज्ञानिकों के अनुसार, केवल पृथ्वी ही एक ऐसा ग्रह है जहाँ जल और वायु हैं। अगर हम अंतरिक्ष में जाएं, तो हमें जल और वायु नहीं मिलेंगे। बस वही होगा, जो हम ले कर जाएंगे।

xhrk /keZjktu को बच्चों के लिए कहानियाँ तथा परी–कथाएँ लिखना बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने बच्चों की पत्रिका *तमाशा* की संकल्पना तथा उसका संपादन किया। इससे पूर्व वें बच्चों की पत्रिका *टार्गेट* तथा आइवी लीग यूनिवर्सिटी ऑफ पैनसिलवानिया की पत्रिका, *पैनसिलवानिया गज़ेट* की संपादिका रह चुकी हैं। उन्होंने 31 पुस्तकें लिखीं तथा 400 से भी अधिक पुस्तकें संपादित कीं। 1988 में उन्होंने कथा का आरम्भ किया। तब से आज तक वे इसकी मुख्य निर्देशिका के रूप में कार्यरत हैं।

,ufjd ykjk jkck;k ने यूनिवर्सडेड नैसिनल दे कोलोम्बिया में ग्राफ़िक डिज़ाइन का अध्ययन किया है। उन्हें लिखने तथा चित्रांकन करने का शौक है और वे फ्रीलाँस चित्रकार तथा यूनिवर्सिटी के अध्यापक के रूप में काम करते हैं।

ybl QjukUMk xkfl;k x;kjk ने भी यूनिवर्सिडाड नैसिनल दे कोलोम्बिया से ग्राफ़िक डिज़ाइन का अध्ययन किया है। वे हमेशा प्लास्टिसीन से काम करना पसंद करते हैं। अपनी डिग्री लेने के पश्चात उन्होंने कला शिक्षण की कक्षाओं में ओरीगामी तथा मिट्टी का काम सिखाना शुरू किया। वे भी एक फ्रीलाँस चित्रकार तथा कॉलेज के अध्यापक के रूप में काम करते हैं।

एनरिक तथा लुइस कॉलेज के ज़माने से ही मित्र रहे हैं तथा उन्होंने मिलकर कई चित्रांकन की परियोजनाओं पर काम किया है। *लीवज़* जो उनकी एक पूर्व प्रकाशित पुस्तक है – कथा द्वारा ही प्रकाशित की गई है। इस पुस्तक को नोमा कॉनकर्स द्वारा सन् 2000 में छपी चित्रांकित पुस्तकों की श्रृंखला में उत्साहवर्धन पुरस्कार के लिए पुरस्कृत किया गया था।

क कथा

कथा एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त गैर–लाभकारी संस्था है जो कि शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में सन् 1988 से काम कर रही है। गरीबी में रहने वाले बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने का व उनके लिए विशेष किताबें बनाने का कथा के पास लगभग 30 साल का अनुभव है।

"भारत के मुकुट पर एक शैक्षिक हीरा!" — **नाओकी शिनोहरा, उपप्रबंध निर्देशक, आईएमएफ**

"कथा का काम इस विचार से प्रेरित है कि बच्चे अपने समुदायों में स्थायी बदलाव ला सकते हैं। जैसे कि बच्चे करते हैं (कथा की किताबों में)।" — **पेपरटाइगर्स**

"कथा बच्चों के लिए नर्म दिल है। तभी तो कथा बच्चों के लिए इतनी खूबसूरत किताबें बनाती है।" — **टाइम आउट**

"कथा दुनिया भर में उन रचनात्मक संगठनों के लिए एक उदाहरण है जो शहरों के सुधार के लिए काम करते हैं।"

— **चार्ल्स लैंड्री, *द आर्ट ऑफ़ सिटी मेकिंग***

हिंदी संस्करण 2021

कृति स्वामित्व © कथा, 2021

मौलिक लेखन कृति स्वामित्व © गीता धर्मराजन

चित्रांकन कृति स्वामित्व © कथा

स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुनः प्रयोग विधि के रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।

नयी दिल्ली द्वारा मुद्रित

हमारा लक्षयः हर बच्चा आनंद और अर्थवत्ता के लिए पढ़ें।

कथा एक पंजीकृत आलंभकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में किया गया था। कथा शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में काम करती है। कथा का मुख्य उद्देश्य है बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रूचि एवं इससे मिलती खुशी को बढ़ावा देना। कथा 1,00,000 से भी अधिक बच्चों के साथ काम करती है ताकि वे मजे के लिए और कक्षा स्तर पर पढ़ सकें।

ए–3 सर्वोदय एन्क्लेव, श्री औरोबिन्दो मार्ग, नयी दिल्ली – 110017
दूरभाषः 4141 6600 - 4141 6624 - 4182 9998
इ–मेलः marketing@katha-org
वेबसाइटः www-katha-org | www-books-katha-org

इस किताब की बिक्री में मिली राशि का 10% बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा।
कथा नियमित रूप से उस लकड़ी के बदले पेड़ लगाती है, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज बनता है।

'I Love Reading' Library कथा की एक खास श्रृंखला है। यह नए और संकोची बच्चों को सहजता से पढ़ना सिखाती है। इसका पाठ्यक्रम अलग – अलग स्तर पर पढ़ने वाले बच्चों को ध्यान में रख कर बनाया गया है। यह बेहतरीन साहित्य और कला को भारत एवं दुनिया भर से एकत्रित कर बनायी गयी है।
यह किताबें गीता धर्मराजन के 'StoryPedagogy' पर आधारित हैं। यह एक खास तरह का मॉडल है जो पहले स्कूल नहीं गए हुए बच्चों के लिए बनाया गया था। बच्चों को 'TADAA' (Think, Ask, Discuss, Act and Achieve) और 'बड़े विचारों' के द्वारा यह उनमें पढ़ने की खुशी और समझने की क्षमता बढ़ता है।

Katha's Holistic Early Learning (KHEL!) लैब सरकारी, निजी और गैर – लाभकारी विद्यालयों में कार्यशालाएँ कराती है। यह ऑनलाइन चलने वाली कार्यशालाएँ हैं। इसमें शिक्षकों, विद्यालय प्रबंधकों और स्वयं सेवकों को प्रमाण पत्र भी दिया जाता है।
अधिक जानकारी के लिए 300m@katha-org पर जाएँ।

READ FOR FUN AND MEANING

ALL THESE ILR BOOKS

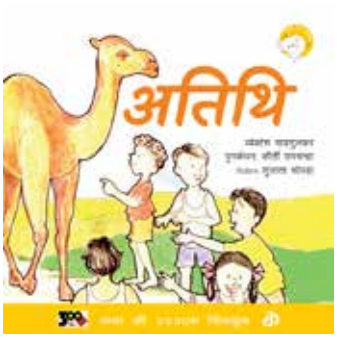

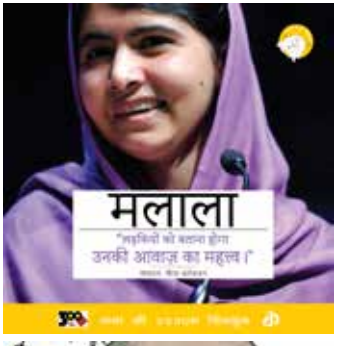

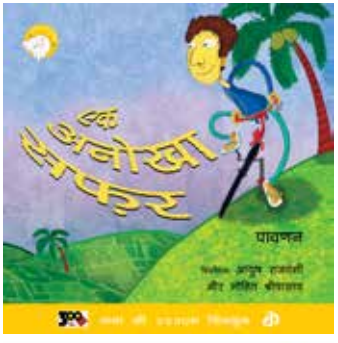

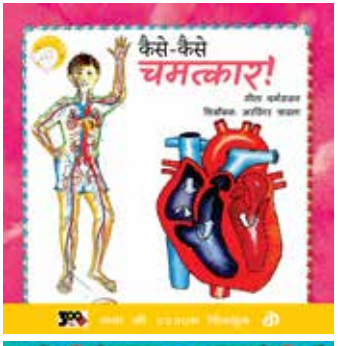

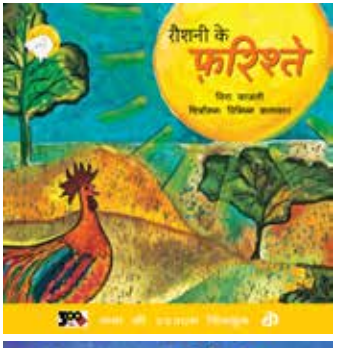

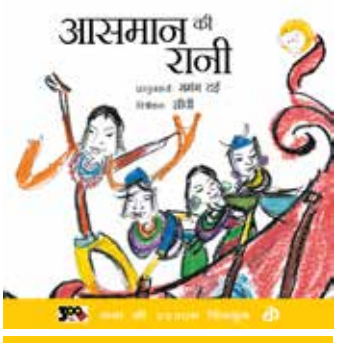

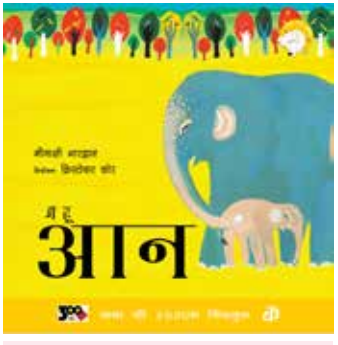

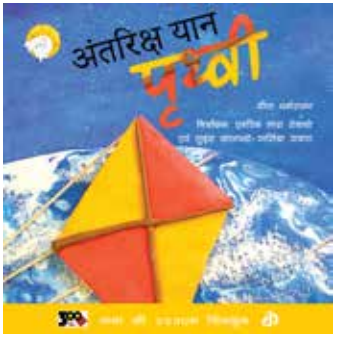

FOR OUR BOOKS

www.books.katha.org

"[Katha]...a special and unique moment in Indian Publishing history."

— The iconic The Economic Times

for children

a katha book

ISBN 978-93-88284-81-3

9 789388 284813

www.katha.org

₹ xxx

IN THE YELLOW SERIES